

E--90047

संख्या— /XVIII-B-1/2025-15(07)/2024

प्रेषक,

विनोद कुमार सुमन

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,

सिंचाई विभाग,

यमुना कालोनी, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1

देहरादून, दिनांक : सितम्बर, 2025

विषय : Toe Protection and Landslide Stabilization work along left bank of Alaknanda River at Jyotirmath in Distt Chamoli Uttarakhand. हेतु वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया अपने पत्र संख्या-4787/प्र0अ0/सिं0वि0/बजट दिनांक 25.10.2024 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से Toe Protection and Landslide Stabilization work along left bank of Alaknanda River at Jyotirmath in Distt Chamoli Uttarakhand हेतु विस्तृत डी0पी0आर0 उपलब्ध कराते हुए वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2— अतः उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि Toe Protection and LandSlide Stabilization work along left bank of Alaknanda River at Jyotirmath in Distt Chamoli Uttarakhand. हेतु उपलब्ध कराये गये आंगणन रू0 101.71 करोड़ की टी0ए0सी0/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन से तकनीकी परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रू0 100.5274 करोड़ (रू0 एक अरब बावन लाख चौहत्तर हजार मात्र) वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए निम्नतालिका के स्तम्भ-4 में कार्य प्रारम्भ किये जाने हेतु अनन्तिम रूप से रू0 40.00 करोड़ (रू0 चालीस करोड़ मात्र) की धनराशि अवमुक्त कर आपके निर्वतन पर रखते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि करोड़ रू0 में)

क्र.	योजना का नाम	कार्य योजना हेतु प्रेषित कुल लागत	टी0ए0सी0/नियोजन विभाग द्वारा संस्तुत कुल लागत	कार्य प्रारम्भ किये जाने हेतु अनन्तिम रूप से अवमुक्त धनराशि
0	1	2	3	4
1	Draft D.P.R. of Toe Protection and LandSlide Stabilization work along left bank of Alaknanda River at Jyotirmath in Distt Chamoli Uttarakhand(Phase-1).	101.71	100.5274	40.00

(रू0 चालीस करोड़ मात्र)

3— प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, देहरादून द्वारा स्वीकृत की जा रही धनराशि को निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा :—

1. उक्त धनराशि का व्यय भारत सरकार के पत्र संख्या—28-001/2023-NDM-I दिनांक 02 जनवरी, 2024 द्वारा योजना के संबंध में पी0डी0एन0ए0 रिपोर्ट के अनुसार कार्यो हेतु दी गई स्वीकृतियों/दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाएगा।
2. स्वीकृत धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा। अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि नहीं किया जायेगा और न ही अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा।
3. स्वीकृत धनराशि का यथाशीघ्र उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण—पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाएगा।
4. व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
5. निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं workmanship प्रत्येक दशा में उच्च स्तर को बनाये रखना सुनिश्चित किया जाए।
6. निर्माण कार्य यथा: रेत, बजरी, स्टोन, पी0वी0सी0 पाईप, सीमेन्ट, स्टील एवं अन्य का आई0एस0 कोड के मानकों के अनुरूप NABL Laboratory से परीक्षण कराते हुए मानक विशिष्टियों के अनुरूप गुणवत्ता अवश्य सुनिश्चित की जाय।
7. कार्यो को Most Economic Technically Feasible & Cost Effectiveness तकनीकी को ध्यान रखते हुए सम्पादित कराये जायें।
8. कार्यो का ओरियन्टेशन एवं सम्पादन इस प्रकार किया जाय कि निर्मित कार्यो की शत प्रतिशत लक्षित उद्देश्य की पूर्ति हो एवं किसी प्रकार की हानि की संभावना न रहें।
9. निर्माण कार्य के क्रियान्वयन एवं सम्पादन में सक्षम अधिकारियों से निरन्तर समन्वय रखा जाय, ताकि उनकी आवश्यकता एवं प्राथमिकता के अनुसार कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण हो सके।
10. भूमिगत निर्माण कार्यो का सम्पादन शत प्रतिशत सक्षम अधिकारी की उपस्थिति में सुनिश्चित कराया जाय तथा समुचित विडियोग्राफी भी कराई जाय।
11. योजना से सम्बन्धित कार्यो की डिजाईन एवं ड्राइंग सक्षम स्तर से अवश्य अनुमोदित करायी जाय।
12. योजना निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व नियोजन विभाग को कार्य प्रारम्भ करने के सम्बन्ध में अवश्य संसूचित किया जाय ताकि तृतीय पक्ष गुणवत्ता परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।
13. कार्य की गुणवत्ता समयबद्धता के लिये संबंधित विभागाध्यक्ष/निर्माण एजेन्सी/संबंधित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
14. अनन्तिम किस्त की धनराशि का 70 प्रतिशत उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही प्रथम किस्त की अवशेष धनराशि निर्गत की जायेगी।

15. नदी तटों पर बाढ़ सुरक्षा कार्य के निर्माण में Flood Plane Zonning एवं एन0जी0टी0 के प्राविधानों का अक्षरशः अनिवार्य रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
16. मित्त व्ययता के दृष्टिकोण से यथासंभव स्थानीय उपलब्ध सामग्री का ही उपयोग करेंगे तथा होने वाली बचतों से भी नियोजन विभाग को अवगत करायेंगे।
17. कार्यो के सम्पादन के उपरान्त बायो-इंजिनियरिंग के कार्य अनिवार्य रूप से किये जायें।
18. प्र0वि0 द्वारा कार्य के आगणन में सम्मिलित की जा रही GST देयता में प्राविधानित मदों की धनराशि पर वास्तविक एवं नियमानुसार व्यय सुनिश्चित किया जाय उक्त मद में व्यय की जाने वाली धनराशि पर भिन्नता हेतु प्र0वि0/कार्यदायी संस्था स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।
19. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये, जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
20. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाये।
21. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।
22. विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
23. प्रस्तावित कार्य योजना पर कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली संशोधित 2017 एवं समय-समय पर संशोधित निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
24. प्राविधिक स्वीकृति हेतु शा0सं0 149101/XXVII(7)/E-20109/2022 दिनांक 25 अगस्त 2023 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4— प्रश्नगत योजना हेतु कुल संस्तुत लागत में ही कार्य पूर्ण किया जायेगा। कार्य योजना में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत/निर्धारित की गयी लागत के दृष्टिगत कोई पुनरीक्षण/संशोधन अनुमन्य नहीं होगा। तद्हेतु कार्य कराते समय समस्त वित्तीय नियमों एवं निविदा सम्बन्धी नियमों का अनुपालन निश्चित रूप से सुनिश्चित किये जाने का समस्त उत्तरदायित्व कार्यदायी संस्था का होगा।

5 — उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुदान संख्या-06 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4250-अन्य सामाजिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय-101 -प्राकृतिक विपदायें-01-केन्द्र सहायतित योजना-0102- जोशीमठ व अन्य स्थानों में भू-धसांव व अन्य के अन्तर्गत राहत कार्य-42-अन्य विभागीय व्यय मद के नामे डाला जायेगा।

6— यह आदेश वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-I/281566/9(150) 2019/XXVII(1)/2025,(E-79713) दिनांक 31 मार्च, 2025 में दिये गये निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं एवं शासनादेश में धनराशि के व्यय के सम्बन्ध में दिये गये

दिशानिर्देशों का अनिवार्य रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

Digitally signed by
Vinod Kumar Suman
Date: 08-09-2025
12:56:38

भवदीय,
(विनोद कुमार सुमन)
सचिव।

संख्या : (1)/XVIII-B-1/2025-15(05)/2024, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) कौलागढ़ रोड, देहरादून।
2. प्रमुख सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. प्रमुख सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. सचिव-वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
5. सचिव, सिचाई विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. स्टॉफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
7. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
8. जिलाधिकारी, चमोली।
9. अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यू0एस0डी0एम0ए0, देहरादून।
10. निदेशक, कोषागार, 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
11. निदेशक, उत्तराखण्ड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र, देहरादून।
12. मुख्य/वरिष्ठ, कोषाधिकारी, चमोली।
13. राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

Digitally signed by
Jyotirmay Tripathi
Date: 08-09-2025
15:44:21

(ज्योतिर्मय त्रिपाठी)
अनु सचिव।